



मंदिर की परिक्रमा कैसे मन को बेहतर कराती है महसूस? शरीर और मन को देती है नया रूप

नई दिल्ली। मंदिर हर हिंदू के लिए सबसे बड़ा आस्था का केंद्र होता है, किसी भी शुभ अवसर के मौके पर लोग मंदिर जाकर भगवान का धन्यवाद करते हैं और मंदिर की परिक्रमा जरूर करते हैं। लेकिन, ये बहुत कम लोगों को पता होता है की मंदिर की परिक्रमा ना सिर्फ आस्था का विषय है, बल्कि यह हमारे शरीर और मन को नया रूप देती है।

क्यों की जाती है परिक्रमा



मंदिर के परिक्रमा पथ को पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों के साथ वास्तु सिद्धांतों का इस्तेमाल कर के संरेखित किया जाता है। मंदिर से निकलने वाली ऊर्जा नोइस की तरह काम करती है, यह पृथ्वी की जियोमैग्नेटिक वेक्स के साथ शरीर की लय को बढ़ाने का काम करते हैं।

ब्लड सर्कुलेशन

परिक्रमा करने से दिल से जुड़ा व्यायाम भी होता है क्योंकि इससे दिल का ब्लड सर्कुलेशन भी मंटेन रहता है, बीपी का खतरा कम होता है और पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है जिससे शरीर को पुराने दर्द से आराम मिलने की संभावना बढ़ जाती है।



मंदिर की ऊर्जा

घड़ी की सुई की दिशा में घूमने से सूर्य के पूर्व से पश्चिम की तरफ घूमने वाले आर्क को दर्शाता है। यह रेखा सैक्रेडियन लय को रेगुलेट करता है जो पूरे दिन हॉर्मोन्स का संतुलन बनाए रखता है। नंगे पैर चलने से पैरों के प्तरूपेशर क्षेत्रों में एनर्जी जनरेट होती है जो नर्वस सिस्टम को सक्रिय रखने में मदद करता है और मन के पुराने तनाव को कम करता है।

इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक वेक्स

अच्छे लय से चलने वाली परिक्रमा ध्यान की अवस्था को बढ़ाती है, शोध से यह पता चला है की इससे कॉर्टिसोल का उत्पादन धीमा हो जाता है जिससे अल्फा बेन वेक्स में बढ़ोतरी होती है जिससे मन की शांति में इजाफा होता है। मंदिर के पत्थर और ज्यामिति इलेक्ट्रोमैग्नेटिक क्षेत्र की ऊर्जा को बढ़ाती है। उनके बीच से गुजरने से बायोफील्ड इंटरैक्शन बढ़ता है।

रोचक खबरें



लड़के ने छत्ते में हाथ डालकर बाहर निकालीं मधुमक्खियां, लोग बोले- भाई मौत से खेल रहा है

नई दिल्ली। हमें जहां भी मधुमक्खी का छत्ता दिखाता है तो उसे हाथ लगाना तो दूर पास में भी खड़े नहीं होते हैं। क्योंकि, मधुमक्खी जब डंक मारती है तो कई दिनों तक शरीर का वो हिस्सा सूजा हुआ रहता है और ऐसा लगता है कि किसी ने ढेर सारी सुइयां एक साथ लगा दी है। यही नहीं, अगर मधुमक्खी मुंह पर डंक मार दे तो फिर शक्ल का जो नक्शा बदलता है, वो देखने लायक होता है। वीडियो में शख्स मधुमक्खी के छत्ते में अपने हाथ डाल रहा है और उसमें से शहद निकाल रहा है। लोग इस वीडियो पर काफी मजेदार प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। हाल ही में, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स बिना किसी भी सुरक्षा के मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डाल रहा है। खेर आपको तब होगा जब हम आपको यह बताएंगे कि छत्ते में हाथ डालने के बाद वह खुद मधुमक्खियों को अपने हाथों से निकाल रहा है और उन्हें एक के बाद एक हवा में छोड़ने लग जाता है। शख्स इन चीज को इतने आराम से करता है, जैसे कि उसे इसकी रोज की प्रैक्टिस हो और इससे उसे कोई नुकसान भी नहीं होता है। बता दें कि वीडियो की शुरुआत ऐसे होती है कि एक लड़का खिड़की के पास बैठा होता है, जहां मधुमक्खी का छत्ता लटक रहा होता है। इसके बाद वह आराम से मधुमक्खियों को हाथ में भरता है और छत्ते में से निकालने लगता है। इस दौरान मधुमक्खियों चारों ओर उसके आसपास मंडरा रही होती है, लेकिन उस शख्स को बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता है।

पहचान छुपाकर कॉलेज की 10 से ज्यादा लड़कियों को डेट कर रहा था प्रोफेसर, फिर ऐसे खुली सारी पोल

बीजिंग। हम बचपन से सीखते आए हैं कि टीचर हमारे लिए आदर्श होते हैं। वे हमें सही-गलत की पहचान सिखाते हैं और उनका सम्मान करना हमारा फर्ज होता है। लेकिन, जब कोई टीचर अपनी जिम्मेदारी भूलकर गलत काम करे, तो भरोसा टूट जाता है और ये सवाल उठता है कि क्या स्कूल और कॉलेज अब भी सुरक्षित हैं? हाल ही में, चीन के शेंडोंग प्रांत की लिओचेंग यूनिवर्सिटी के डींगचांग कॉलेज में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां एक मैल प्रोफेसर, वू नाम का व्यक्ति, पिछले आठ सालों से इकोनॉमिक्स पढ़ा रहा था। लेकिन, वह अपनी असली उम्र, नाम और पहचान छिपाकर कई लड़कियों से दोस्ती और प्यार के रिश्ते बना रहा था। हालांकि, बाद में उसका खुलासा हो जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोफेसर वू ने 10 से ज्यादा छात्राओं को झूठी बातें बताकर, जैसे कि अपना नाम और प्रोफेशन छिपाकर, उनके साथ रिश्ते बनाए। वो सिर्फ अपने कॉलेज की ही नहीं, बल्कि दूसरे कॉलेज की लड़कियों को भी डेट कर रहा था। यह सब तब सामने आया जब कॉलेज को एक गुप्तनाम चिट्ठी मिली। उसमें वू की सारी हरकतों के बारे में लिखा था। कॉलेज ने इसकी जांच शुरू की और जल्द ही ये मामला सोशल मीडिया पर भी फैल गया। इसके बाद कॉलेज ने वू के खिलाफ कार्रवाई की। जांच में पता चला कि एक लड़की के गर्भवती होने पर वू ने उसे गर्भपात करने के लिए मजबूर किया। उसने लड़की को डराया कि अगर वह उसकी बात नहीं मानेगी, तो उसके पिता अपनी जान दे देंगे।

कब्रिस्तान में दफनाने से पहले जिंदा हुई लाश, रिश्तेदारों में मची अफरा-तफरी

बार्सिलोना। कई बार हमारी आंखों के सामने ऐसी घटनाएं देखने को मिल जाती है, जिस पर यकीन करना हमारे लिए काफी ज्यादा मुश्किल हो जाता है। ऐसी चीजें कई बार हम लोगों को चमत्कार लगती है लेकिन होता कुछ नहीं है। ऐसी ही एक घटना इन दिनों स्पेन से सामने आई है। यहां अंतिम संस्कार से पहले एक महिला जिंदा हो उठी और जब उसके घरवालों ने उसे देखा तो वहां अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि लोगों ने इस महिला को एकदम मरा हुआ समझ लिया था। एक रिपोर्ट की माने तो एक बुजुर्ग महिला को तबियत खराब होने के बाद जुआन मार्च दी बुनवोला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी कंडीशन को देखने के बाद उसे तुरंत मरा हुआ घोषित कर दिया। जिसके बाद घरवालों ने महिला के अंतिम संस्कार की तैयारी की और उसे उठाकर कब्रिस्तान ले गए। यहां कब्रिस्तान का स्टाफ महिला को कब्र में डालने ही वाला था कि उन्हें महिला का शरीर और उंगलियां हिलती हुई दिखाई दीं। पहले तो वहां के लोगों ने इसे इतेफाक समझा और पूरी तरीके से नजरअंदाज कर दिया। हालांकि, ऐसा जब बार-बार हुआ तो लोगों हैरान रह गए। इस नजारे को देखने के बाद वहां मौजूद लोग घबरा गए और उन्हें जल्दबाजी में अस्पताल लेकर गए। जहां पैरामेडिक्स के लोगों ने देखा कि ये महिला तो वाकई जिंदा है। इसके बाद डॉक्टरों ने अपनी जांच पड़ताल शुरू की और पाया कि सच में ये महिला जिंदा, लेकिन ये खुशी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई और महिला की मौत हो गई। अस्पताल में कुछ ही देर बाद दोबारा से महिला को मृत घोषित कर दिया।



धरती की ओर बढ़ रही ‘आफत’, 600 मील दूर से कर देगी अनगिनत चीथड़े

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने आकाशगंगा से 1,10,000 मील प्रति घंटे की खतरनाक रफ्तार से गुजरने वाले बेहद शक्तिशाली जॉम्बी तारे की खोज की है। इस ‘जॉम्बी तारे’ का सबसे खतरनाक बात ये है कि इसमें ऐसा खतरनाक मैग्नेटिक फील्ड है जो मनुष्यों को चीरकर उनके टुकड़े-टुकड़े कर के सैकड़ों मील दूर बिखेर सकता है। जॉम्बी तारा एक मैग्नेटर है। जिसे एसजीआर 0501+4516 कहा जाता है। यह एक न्यूट्रॉन तारा है जिसमें एक कमांडिंग चुंबकीय क्षेत्र होता है। न्यूट्रॉन तारे मृत तारों के अवशेष होते हैं, जो छोटे ग्रहों के आकार में ढह गए हैं लेकिन उनका द्रव्यमान सूर्य जैसे तारों के बराबर है।

जोबी स्टार की खोज कब हुई?

जोबी स्टार हमारी आकाशगंगा में मौजूद



30 मैग्नेटर्स में से एक है, जिसकी खोज 2008 में हुई थी. उस समय ये धरती से करीब 15,000 प्रकाश वर्ष दूर था, हालांकि अभी 10 दिन पहले एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स में प्रकाशित नई रडार रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने एसजीआर 0501+4516 के बाद के दृश्यों के विश्लेषण के बात ये नतीजा निकाला गया कि ये आकाशगंगा में अपेक्षा से कहीं ज्यादा तेज रफ्तार से घूम रहा है।

राख बनकर उड़ जाएगा इंसानों का शरीर



क्या जॉबी स्टार इंसानों को खत्म कर सकता है?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सीजीआर 0501+4516 का चुंबकीय क्षेत्र पृथ्वी की सुरक्षा कवच से लगभग 100 ट्रिलियन गुना ज्यादा शक्तिशाली है। नासा ने अपने एक बयान में कहा था कि अगर ये पृथ्वी के पास से चंद्रमा की आधी दूरी से भी उड़ता है, तो इसका तीव्र मैग्नेटिक फील्ड हमारे वाह पर मौजूद हर क्रेडिट कार्ड को नष्ट कर देगा। वहीं, अगर कोई मनुष्य इसके दायरे के 600 मील के भीतर पहुंच जाता है, तो पलक झपकते ही मौत के मुंह में समा जाएगा। मैग्नेटर उस खोफनाक घटनाक्रम को ऐसी साइंस स्टोरी बताएगा जिसमें एक किरण इतनी खतरनाक बन जाएगी, जो शरीर के अंदर मौजूद हर परमाणु को नष्ट कर देगा।

इसरो करने जा रहा बड़ा धमाका, स्पेस में भेजेगा वाटर बियर; मगर ये है क्या?

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) देश को लगातार नई ऊंचाइयों पर ले जाने में लगा है। जिसके तहत कई प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। बता दें कि बता दें कि इसरो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर एक अनोखा प्रयोग करने जा रहा है। विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला एक्सओम-4 मिशन पर उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। वो अपने साथ टार्डिग्रेड्स भी ले जाएंगे।



भविष्य के अंतरिक्ष खोज को कर सकता है सूचित

टार्डिग्रेड्स के लचीलेपन के पीछे मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म की पहचान करना है, जिससे एक्सट्रीम वातावरण में जीवन की सीमाओं को समझने में मदद मिलेगी। यह भविष्य के अंतरिक्ष खोज को सूचित कर सकता है और पृथ्वी पर जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगों को विकसित करने में मदद कर सकता है। टार्डिग्रेड्स की निर्बाध एनीमेशन में प्रवेश करने की क्षमता विस्तारित अंतरिक्ष मिशनों के लिए जैविक सामग्री या यहां तक कि मनुष्यों को संरक्षित करने के तरीकों को प्रेरित कर सकती है। इस प्रयोग के निष्कर्ष भारत के गगनयान मिशन की योजनाओं और प्रगति को आकार दे सकते हैं।

अंडे और फूटे अंडों की संख्या की गणना की जाएगी

टार्डिग्रेड्स पृथ्वी पर लगभग हर जगह पाए जा सकते हैं, जिसमें काई, लाइकेन, मिट्टी, पत्ती का कूड़ा, मीठे पानी, समुद्री वातावरण, ऊंचे पहाड़, गहरे समुद्र, गर्म झरने और यहां तक कि धुंसीय बर्फ भी शामिल हैं। वॉयेजर टार्डिग्रेड्स एक्सपेरिमेंट भारत द्वारा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भेजे जा रहे 7 अन्य अध्ययनों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भेजे गए टार्डिग्रेड्स के पुनर्जीवन, अस्तित्व और प्रजनन की जांच करेगा। मिशन के दौरान किए गए अंडे और फूटे अंडों की संख्या की गणना की जाएगी और अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाले बनावट बाउंड कंट्रोल पॉपुलेशन के जीन एक्सप्रेसन पैटर्न की तुलना की जाएगी।



टार्डिग्रेड्स के होते हैं आठ पैर

भारतीय अंतरिक्ष यात्री जीरो बेवटी में रहने और काम करने के लिए 14 दिनों के मिशन पर आईएसएस जाएंगे। यहां पर वो कई तरह का प्रयोग करेंगे, इसमें लोगों की नजरे जल मालू (टार्डिग्रेड्स) पर है। टार्डिग्रेड्स, जिन्हें वॉटर बियर या मॉस पिगलेट के नाम से जाना जाता है, छोटे, आठ पैरों वाले सूक्ष्म जीव हैं। इसकी लंबाई 0.3 मिमी से 0.5 मिमी तक होती है, इन्हें देखने के लिए माइक्रोस्कोप की आवश्यकता होती है।टार्डिग्रेड्स के आठ पैर होते हैं, जिनमें छोट-छोटे पंजे और एक कठोर च्यूटिकल होता है जो उनकी धीमी और भारी स्पीड की विशेषता होती है।

लोन पर खरीदी 1.8 करोड़ की ‘लकी’ कार, हुआ कुछ ऐसा होने लगी 2 लाख की कमाई



बीजिंग। कई लोग होते हैं, जो बिजनेस में अपना अलग ही लेवल का दिमाग लगाते हैं और ऐसा प्रॉफिट कमाते हैं, जिसे देखने के बाद लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसा ही एक किस्सा इन दिनों चीन से सामने आई जहां एक बंदे पैसा कमाने का ऐसा तरीका बताया, जिसे देखने के बाद लोग हैरान नजर आ रहे हैं। कहते हैं अगर कोई बिजनेस करता है तो अपने ही लेवल पर दिमाग लगाता है। जिससे उसका मुनाफा काफी तगड़ा होता है और उसकी कमाई को देखने के बाद लोग हैरान रह जाते हैं। यही कारण है कि एक बिजनेसमैन अपना दिमाग नौकरी पेशा वालों से ज्यादा लगाता है और हमेशा उससे ज्यादा कमाने के बारे में सोचता है। ऐसे ही एक बिजनेसमैन की कहानी इन दिनों सामने आई है। जिसके बारे में जानने के बाद हर कोई हैरान नजर आ रहा है। आमतौर पर ऐसा देखा जाता है कि लोग अपने बिजनेस में कम पैसा लगाकर ज्यादा प्रॉफिट कमाने के बारे में सोचते हैं, लेकिन इन दिनों एक ऐसे शख्स की कहानी सामने आई है। जो अपने बिजनेस को एक अलग तरीके से रन कर रहा है। जिसमें उसने अपना काफी मोटा पैसा इंवेस्ट किया और जब उसकी कहानी इस दुनिया के सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया। अब इस केस में हैरानी की बात तो ये है कि इसमें लोगों को समझ ही नहीं आ रहा है इसमें फायदा है भी या नहीं।

नदियां हैं एकमात्र संसाधन

इसके अलावा देश के कुछ हिस्सों में तो रेगिस्तान भी हैं, जैसे थार का रेगिस्तान। वहां तो बारिश महीनों तक नहीं होती। ऐसे इलाकों में खेती करना और लोगों को पानी देना बहुत मुश्किल हो जाता है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी नदी, सिंधु नदी, यहां पानी का एकमात्र संसाधन है। लोग इसी नदी के पानी से खेत सींचते हैं और पीने के लिए भी पानी लेते हैं। लेकिन, यह नदी भी अब पहले जैसी नहीं रही। पानी कम गिरता है, जिससे नदी में पानी भी घटता जा रहा है। हालांकि, अब पहलुगाम के आतंकी हमले के बाद अब सिंधु नदी समझौते की स्थिति कर दिया गया है और इसका असर पाकिस्तानों के किसानों पर काफी गहरा पड़ेगा।

देश में क्यों खोदे जा रहे हैं कुएं

हालांकि, पाकिस्तान के लोग गांवों में अब पहले से ज्यादा गहरे कुएं खोद रहे हैं क्योंकि ऊपर का पानी सूख गया है। खेतों में दरारें पड़ने लगी हैं और फसलें सूख रही हैं। अब पानी सिर्फ जरूरत नहीं रह गया, बल्कि एक बड़ी चिंता बन गया है। पाकिस्तान की यह कहानी है, सूखी धरती, कम बारिश, और पानी की बड़ी चिंता की।

देश में मानसून का कैसा है हाल ?



पाकिस्तान ऐसी जगह है, जहां मानसून की बारिश बहुत कम पहुंचती है। भारत में जो मानसून के बादल खूब बरसते हैं, वे पाकिस्तान पहुंचते-पहुंचते कमजोर हो जाते हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान के उत्तर में बड़े-बड़े पहाड़ हैं जैसे हिंदुकुश और कराकोरम भी हैं, जो बारिश लाने वाले बादलों को रोक देते हैं। इसलिए, पाकिस्तान के ज्यादातर हिस्सों में बहुत कम पानी गिरता है।

आदिवासी भूमि घोटाले में 28 अप्रैल को होगी सुनवाई आरोपित गंगा पाठक की जमानत अर्जी पर सुनवाई बढ़ी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस अचल कुमार पालीवाल की एकलपीठ ने बहुचर्चित आदिवासी भूमि घोटाले की सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है। आरोपित पत्रकार गंगा पाठक सहित अन्य ने गिरफ्तारी से बचने अग्रिम जमानत अर्जी के जरिए हाई कोर्ट की शरण ली है। इससे पूर्व सेशन कोर्ट द्वारा उनकी अर्जियां निरस्त की जा चुकी हैं।

उल्लेखनीय है कि इस मामले की विगत सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने खबरों के प्रकाशन पर रोक से इनकार कर दिया था। आरोपितों के वकीलों की ओर से जोर देकर कहा गया था कि अपीलकर्ता द्वारा दायर जमानत आवेदन के बारे में बार-बार समाचार प्रकाशित हो रहे हैं। लिहाजा, इस



संबंध में कोई निर्देश जारी किए जाएं। आपत्तिकांत अधिवक्ता शैलेंद्र वर्मा गुड्डा ने इस मांग का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद-19-1-ए के अंतर्गत लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ पत्रकारिता को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान की गई है, जिसे सामान्य परिस्थिति में इस तरह किसी आरोपित की मांग की प्रतिपूर्ति में बाधित नहीं किया जा सकता। आपत्तिकांत अधिवक्ता वर्मा ने आरोपित पत्रकार गंगा पाठक को संपादक निरूपित किए जाने का भी ओपन कोर्ट में विरोध किया। उन्होंने कहा कि जिस मामले में अग्रिम जमानत चाही गई

है, वह आदिवासी भूमि फर्जीवाड़े का है। मुख्य आरोपित किसी समाचार पत्र का संपादक नहीं है। इसलिए पदीय गरिमा का ध्यान रखते हुए कोर्ट केस की रिपोर्टिंग पर रोक की मांग बेमानी है।

गिरफ्तारी की आशंका के मदेनजर अग्रिम जानम चाह रहे पति-पत्नी :
उल्लेखनीय है कि गंगा व ममता पाठक की अग्रिम जमानत अर्जी निरस्त अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण प्रकोष्ठ के विशेष न्यायाधीश गिरीश दीक्षित की अदालत ने बहुचर्चित आदिवासी भूमि

फर्जीवाड़ा प्रकरण के आरोपित जबलपुर निवासी गंगा पाठक व पत्नी ममता पाठक की अग्रिम जमानत अर्जी निरस्त कर दी थी। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक कृष्णा प्रजापति ने अग्रिम जमानत अर्जी का विरोध किया था। उन्होंने दलील दी थी कि मामला बेहद गंभीर प्रकृति का है। आदिवासियों की भूमि कूटरचित तरीके से रजिस्ट्री कराए जाने का खेल खेला गया है। इस तरह के प्रकरण में आरोपितों को फरारी की स्थिति में अग्रिम जमानत का लाभ दिए जाने से समाज में गलत संदेश जाएगा। इसके अलावा एससी-एसटी एक्ट के विहित प्रविधान के अंतर्गत भी इस तरह के गंभीर प्रकृति के प्रकरणों में अग्रिम जमानत नहीं दी जानी चाहिए। आरोपितों के विरुद्ध तिलवारा व बरगी थाने में अपराध पंजीबद्ध हुआ है। गिरफ्तारी की आशंका के मदेनजर पति-पत्नी अग्रिम जमानत चाहते हैं। नियमानुसार इस तरह के प्रकरण में सरेंडर किए बिना अग्रिम जमानत के आवेदन पर विचार का प्रश्न नहीं उठता। अदालत ने सभी तर्क सुनने के बाद अग्रिम जमानत से इनकार करते हुए अर्जी निरस्त कर दी थी। जिसके बाद हाई कोर्ट की शरण ली गई है।

परशुराम जी के प्राकट्योत्सव दिवस की पूर्व संध्या पर होगी महाआरती

जबलपुर।
सम्पूर्ण ब्राम्हण महासभा, कार्या.- बंगला नं. 44 महावीर कम्पाउन्ड सदर जबलपुर द्वारा भगवान श्री परशुराम जी के प्राकट्योत्सव दिवस की पूर्व संध्या के उपलक्ष्य में महाआरती का आयोजन 29 अप्रैल 2025 दिन मंगलवार की शाम श्री हनुमान मंदिर खारीघाट, जबलपुर में किया गया है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण भारतवर्ष में पहली बार 200 ब्राह्मणों द्वारा 108 महाआरतियों से भगवान श्री परशुराम की विराट महाआरती का आयोजन 200 ब्राह्मणों द्वारा चारों वेदों का पारायण, संगीतमय भजन संध्या, विशाल भंडारा एवं भोजन का आयोजन होगा। आप सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध है की अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लें। आयोजक मंडल के पंडित समीर दीक्षित प्रदेश अध्यक्ष, संपूर्ण ब्राह्मण महासभा हर्ष इंद्रु तिवारी, समाजसेवी आंकार दुबे



संयोजक, नर्मदा आरती मंडल मदन मोहन अवस्थी, विनोद तिवारी ने उपस्थिति की अपील की है।
नगर अध्यक्ष, संपूर्ण ब्राह्मण महासभा
वैदिक पंचांग के मुताबिक वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 29 अप्रैल 2025 को शाम 5.32 बजे से आरंभ होगी और तृतीया तिथि का अंत

30 अप्रैल को दोपहर 2.11 बजे होगा। चूँकि परशुराम जी का अवतार प्रसूमा काल में हुआ था। इस वजह से 29 अप्रैल को परशुराम जयंती मनाई जाएगी। परशुराम जयंती शुभ मुहूर्त 2025, परशुराम जयंती के दिन सर्वार्थ सिद्धि और रवि योग का निर्माण हो रहा है, ऐसे में आप इन योगों में पूजा-अर्चना कर सकते हैं।

एसपी ने किया जनरल परेड का निरीक्षण अच्छे टर्नआउट वाले पुलिस कर्मचारी पुरस्कृत

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने पुलिस लाईंस स्थित परेड ग्राउंड में शुक्रवार को पुलिस की जनरल परेड का निरीक्षण किया। यहां बता दें कि पुलिस विभाग में अनुशासन बनाये रखने के लिये परेड एक महत्वपूर्ण बिन्दु है। परेड के दौरान ड्रेस, रिहसिल, जूते, मोजे, बेल्ट और कैप किस तरह से लगाना और पहनना है इसका भी परीक्षण किया जाता है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति सोनाली दुबे सहित जिले में पदस्थ समस्त



राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारी शहर, देहात सहित थानो के 134 अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। पुलिस अधीक्षक जबलपुर, सम्पत उपाध्याय द्वारा परेड में

उपस्थित अधिकारी, कर्मचारियों का निरीक्षण करते हुये अच्छे टर्नआउट वाले अधिकारी, कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

संत सेन समरसता जयंती समारोह आज

जबलपुर। समरस भारत - समर्थ भारत के लिये सब सबको जाने - सब सबको माने, एक अभियान के अंतर्गत समरसता सेवा संगठन द्वारा संत सेन महाराज की जयंती के अवसर पर जयंती समारोह का आयोजन 26 अप्रैल 2025 शनिवार को शाम 04:30 बजे से अग्रवाल धर्मशाला, साकेत धाम के पास, ग्वारीघाट में किया गया है। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

सूदखोरों से मुक्त कराने लगाई गुहार

जबलपुर।
रांझी में भारती कॉलोनी बिलपुरा थाना रांझी के रहने वाले रंजीत चौधरी पिता डब्लु प्रसाद चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि मानेगांव निवासी अनिल गुप्ता व उसका पुत्र संदर्भ गुप्ता जैसे लोग मजबूरी में फंसे लोगों का फायदा उठाते हैं मजबूर व्यक्ति उनके संपर्क में आकर पैसे ले लेता है और वह पैसे की एवज में 20% 40% से सूदखोरी ब्याज उगाही करते हैं, वहां पहले लोगों से 10% फिर इस रकम को 20% व 40% तक ब्याज देने के लिए परेशान करते हैं एवं ब्लैक चेक जो इन्हें गारंटी के रूप में दिए जाते हैं उस पर भी मजबूरी का



फायदा उठाते हैं, मैं भी इनके चंगुल में मजबूरीवस फंस गया हूं, इनके द्वारा दी हुई राशि से भी

बढ़कर मूल से ज्यादा ब्याज दे चुका हूं, अपना जेवर, मकान, गाड़ी व प्लॉट या जमीन रखकर

इसके बावजूद भी तरह-तरह के हथकंडे अपनाता है आए दिन पुलिस के द्वारा मुझे परेशान करता है जिसकी शिकायत मेरे द्वारा निरंतर सक्षम पुलिस अधिकारी को न्याय के संबंध में दे चुका हूं, परंतु आज दिनांक तक इन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। ब्याज में रकम देने की एवज में उनके पास गारंटी के रूप इन लोगों ने मेरी जमीन की रजिस्ट्री करवा लिया एवं कहा कि जब तक मेरा पूरा पैसा सूद सहित वापस नहीं दोगे तब तक मैं तुम्हें तुम्हारी जमीन वापस नहीं दूंगा। मैं मानसिक रूप से बहुत प्रताड़ित हूं एवं मीडिया के माध्यम से न्याय के गुहार लगाता हूं।



पहलगाम हमले के विरोध में मुस्लिम समाज का प्रदर्शन

जबलपुर। जुमे की नमाज के बाद मंसूरा बाद मछली मार्केट तिराहे पर मुस्लिम समाज ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान हाजी कदीर सोनी, हाफिज हाजी गुलाम मोईनुद्दीन, पूर्व पार्षद शाबाना मंसूरी, पार्षद याकूब अंसारी, अशरफ मंसूरी, हाजी शाहिद मंसूरी, हारून मास्टर, अख्तर मंसूरी, सदाब अंसारी, हाजी मोहम्मद इस्लाम, जमशीद अहमद, मोहम्मद छबील मंसूरी आदि शामिल थे। यहां आतंकवादियों और आतंकी संगठनों पर ठोस कार्यवाही करने की मांग की गई।

मदार टेकरी में पुतला दहन

समाज सेवी मतीन अंसारी के नेतृत्व में सरदार अयाज राईन इस्तियाक अंसारी एडर जानी खान मजहर उस्मानी जहूर खान शाहिद अंसारी, फिज्जु खान आदि आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला दहन किया।

गायत्री परिवार ने निकाला मौन मार्च, दी श्रद्धांजलि

जबलपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार जबलपुर के द्वारा पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मृत हुए नागरिकों की आत्मा की शांति के लिए मौन मार्च एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन वन्देमातरम चौक सिविक सेन्टर में किया गया। इस दुख की घड़ी में शामिल स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी महाराज ने कहा कि देश का हर एक नागरिक पहलगाम के आतंकी हमले से दुःखित है सरकार की ओर सख्त से सख्त कार्यवाही आतंकवाद पर कड़े प्रहार की नजर से देख रहा है। श्रद्धांजलि सभा में सनातन धर्म महासभा के उपाध्यक्ष शरद कावरा, गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी बी बी शर्मा आदि मौजूद रहे।



जबलपुर। सहरसा से मुम्बई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस से मुंबई जा रहे एक रेल यात्री की रेलवे की मदद से जान बचाई गई। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉक्टर मधुर वर्मा ने बताया कि लगभग 09:56 बजे एक गाड़ी संख्या 05595 अमृत भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे है जो कैसर से ग्रसित हैं ट्रीटमेंट के लिए मुंबई जा रहे हैं जबलपुर स्टेशन पहुंचने से पहले रेल मदद पोर्टल द्वारा यह सूचना दी गयी की कोच एस-07 में एक कैसर से पीड़ित यात्री मुंबई जा रहे हैं उनके हाथ जाम हो गया है हाथ पर सूजन आ गई है बदलवाना चाहते हैं एवं नेबुलाइजर मशीन से उनका भाप लेना है। सीनियर डीसीएम के निर्देशन पर स्टेशन ड्यूटी जबलपुर में होगी। उन्होंने इसके लिए लोकेशन भी देखी हैं। वे नर्मदा किनारे एक गीत भी शूट करेंगे।ओशो होम आश्रम के संचालक स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने बताया कि बॉलीवुड को कई हिट गीत देने वाले संदीप से उनकी दोस्ती बहुत पुरानी है। मुंबई में उन्होंने साथ काम किया है। वे जबलपुर में फिल्म शूटिंग में उन्हें पूर्ण सहयोग देंगे।

जबलपुर में बोले बॉलीवुड फिल्म मेकर संदीप नाथ

जबलपुर। बॉलीवुड के जाने-माने गीतकार और फिल्ममेकर संदीप नाथ जबलपुर पहुंचे हैं। स्वरकोकिला लता मंगेशकर, पार्श्व गायिका आशा भोसले से लेकर श्रेया घोषाल ने इनके गीतों को अपनी मधुर आवाज दी है। श्री नाथ ने शुक्रवार को ओशो होमआश्रम में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि वे जबलपुर पहले भी आ चुके हैं। ओशो होम आश्रम पहुंचकर उनके मन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है, वे अब संदीप फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। उन्होंने हाल ही में फिल्म जनता के बॉस निर्देशित की है, जिसमें संजय मिश्रा, राजेश शर्मा, इनामउलहक व ज्योति सेठी जैसे वरिष्ठ कलाकार हैं, फिल्म की शूटिंग भोपाल में हुई है। बॉलीवुड फिल्मकार संदीप बताते हैं कि वे दो फिल्में लिख रहे हैं, जिनमें से एक की शूटिंग पन्ना और एक फिल्म की शूटिंग जबलपुर में होगी। उन्होंने इसके लिए लोकेशन भी देखी हैं। वे नर्मदा किनारे एक गीत भी शूट करेंगे।ओशो होम आश्रम के संचालक स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने बताया कि बॉलीवुड को कई हिट गीत देने वाले संदीप से उनकी दोस्ती बहुत पुरानी है। मुंबई में उन्होंने साथ काम किया है। वे जबलपुर में फिल्म शूटिंग में उन्हें पूर्ण सहयोग देंगे।

जलप्रदाय योजना के कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराएं: निगमायुक्त
जबलपुर। अमृत 2.0 जलप्रदाय योजना के अंतर्गत गौरीघाट रोड के अलावा, ललपूर जलशोधन संयंत्र के समीप इटेकवेल का निर्माण, उच्चस्तरिय पानी की टर्कियों का निर्माण, पाइप लाइन का विस्तारिकरण, राँ वाटर राइजिंग मेन लाइन एवं जनसंपर्क अधिकारी सुचित्रा मिश्रा, डॉ प्रमोद शर्मा एवं सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर नाजजगी व्यक्ति की गई और जो पूर्व से समय निर्धारित है, पूर्व निर्धारित समय सीमा में ही उच्च गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों के अलावा कंसल्टेंट एवं ठेकेदारों को दिये।निगमायुक्त श्रीमती यादव ने सर्वाधिक प्रमुख कार्य गौरीघाट रोड स्थित जो पाइप लाइन का कार्य किया जा रहा है।

जबलपुर में करेंगे फिल्म की शूटिंग

जबलपुर। बॉलीवुड के जाने-माने गीतकार और फिल्ममेकर संदीप नाथ जबलपुर पहुंचे हैं। स्वरकोकिला लता मंगेशकर, पार्श्व गायिका आशा भोसले से लेकर श्रेया घोषाल ने इनके गीतों को अपनी मधुर आवाज दी है। श्री नाथ ने शुक्रवार को ओशो होमआश्रम में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि वे जबलपुर पहले भी आ चुके हैं। ओशो होम आश्रम पहुंचकर उनके मन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है, वे अब संदीप फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। उन्होंने हाल ही में फिल्म जनता के बॉस निर्देशित की है, जिसमें संजय मिश्रा, राजेश शर्मा, इनामउलहक व ज्योति सेठी जैसे वरिष्ठ कलाकार हैं, फिल्म की शूटिंग भोपाल में हुई है। बॉलीवुड फिल्मकार संदीप बताते हैं कि वे दो फिल्में लिख रहे हैं, जिनमें से एक की शूटिंग पन्ना और एक फिल्म की शूटिंग जबलपुर में होगी। उन्होंने इसके लिए लोकेशन भी देखी हैं। वे नर्मदा किनारे एक गीत भी शूट करेंगे।ओशो होम आश्रम के संचालक स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने बताया कि बॉलीवुड को कई हिट गीत देने वाले संदीप से उनकी दोस्ती बहुत पुरानी है। मुंबई में उन्होंने साथ काम किया है। वे जबलपुर में फिल्म शूटिंग में उन्हें पूर्ण सहयोग देंगे।

जबलपुर में करेंगे फिल्म की शूटिंग
जबलपुर। बॉलीवुड के जाने-माने गीतकार और फिल्ममेकर संदीप नाथ जबलपुर पहुंचे हैं। स्वरकोकिला लता मंगेशकर, पार्श्व गायिका आशा भोसले से लेकर श्रेया घोषाल ने इनके गीतों को अपनी मधुर आवाज दी है। श्री नाथ ने शुक्रवार को ओशो होमआश्रम में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि वे जबलपुर पहले भी आ चुके हैं। ओशो होम आश्रम पहुंचकर उनके मन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है, वे अब संदीप फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। उन्होंने हाल ही में फिल्म जनता के बॉस निर्देशित की है, जिसमें संजय मिश्रा, राजेश शर्मा, इनामउलहक व ज्योति सेठी जैसे वरिष्ठ कलाकार हैं, फिल्म की शूटिंग भोपाल में हुई है। बॉलीवुड फिल्मकार संदीप बताते हैं कि वे दो फिल्में लिख रहे हैं, जिनमें से एक की शूटिंग पन्ना और एक फिल्म की शूटिंग जबलपुर में होगी। उन्होंने इसके लिए लोकेशन भी देखी हैं। वे नर्मदा किनारे एक गीत भी शूट करेंगे।ओशो होम आश्रम के संचालक स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने बताया कि बॉलीवुड को कई हिट गीत देने वाले संदीप से उनकी दोस्ती बहुत पुरानी है। मुंबई में उन्होंने साथ काम किया है। वे जबलपुर में फिल्म शूटिंग में उन्हें पूर्ण सहयोग देंगे।

वीयू पहुंचे रूस विश्वविद्यालय के रेक्टर

अंतर-राष्ट्रीय संगोष्ठी में पर्यावरणीय कारकों पर हुआ मंथन

जबलपुर।

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में रूस की सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटेरिनरी मेडिसिन से यूनिवर्सिटी रेक्टर क्रिल प्लानिआसो एवं वाइस रेक्टर जार्ज निकिटन का आगमन हुआ , जिनका स्वागत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो मनदीप शर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया, इस दौरान कुलगुरु ने कहा कि इससे ऐसे सम्मेलनों के माध्यम से छात्रों, वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों के मध्य तकनीकी एवं व्यवहारिक ज्ञान का आदान प्रदान होता है साथ वैश्विक स्तर पर व्याप्त समस्याओं का निराकरण करने में मदद मिलती है, रूस से आए हुए यूनिवर्सिटी रेक्टर क्रिल ने अपनी प्रसन्नता



जाहिर करते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलनों से न सिर्फ अंतर्देशीय संबंध मजबूत होते हैं, बल्कि छात्रों एवं वैज्ञानिकों को वन्यजीव एवं उनसे संबद्ध पर्यावरणीय कारकों को समझने एवं उन पर अपने विचार अभिव्यक्त करने का समुचित अवसर भी प्रदान करता है। गौरतलब है कि नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान

विश्वविद्यालय का सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय के साथ 2023 में अनुबंध किया गया था इसके बाद यह पहला अवसर है जब दोनों देश आपस में किसी वैज्ञानिक कार्यक्रम में सहभागिता निभा रहे हैं। वीयू में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय कुलगुरु डॉ एस एस तोमर ,चित्त नियंत्रक महेश कोरी,

डॉ जीपी लखानी, डॉ शशिकांत महाजन, डॉ अपरा शाही, डॉक्टर स घोष, डॉ आर वी सिंह ,डॉ एस एस करमोरे , डॉ बी राय, डॉ अक्षय गर्ग, डॉ आरपी सिंह ,डॉ रामकिंकर मिश्रा, डॉ प्रमोद शर्मा एवं सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर नाजजगी व्यक्ति की गई और जो पूर्व से समय निर्धारित है, पूर्व निर्धारित समय सीमा में ही उच्च गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों के अलावा कंसल्टेंट एवं ठेकेदारों को दिये।निगमायुक्त श्रीमती यादव ने सर्वाधिक प्रमुख कार्य गौरीघाट रोड स्थित जो पाइप लाइन का कार्य किया जा रहा है।